पंजाब केसरी

Thu, 22 Feb, 2018

पृथ्वी-2 का सफल रात्रि परीक्षण

बालेश्वर (ओडिशा), (भाषा) भारत ने आज देश में निर्मित एवं परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम तथा 350 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली पृथ्वी-2 मिसाइल का ओडिशा के एक परीक्षण केंद्र से सफल रात्रि परीक्षण किया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि सेना द्वारा प्रायोगिक परीक्षण के तौर पर सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को रात करीब साढ़े आठ बजे चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण केंद्र (आईटीआर) के प्रक्षेपण परिसर-3 से दागा गया। इस सटीक परीक्षण से पहले 18 जनवरी को अग्नि-5, छह फरवरी को अग्नि-1 और कल अग्नि-2 का ओडिशा अपतटीय क्षेत्र स्थित अब्दुल कलाम द्वीप से सफल परीक्षण किया गया था। गत सात फरवरी को चांदीपुर स्थित आईटीआर से पृथ्वी-2 का भी सफल प्रायोगिक परीक्षण किया गया था।

- फिलहाल सेना प्रयोग के तौर पर इसे आजमा रही है
- दुश्मन को आज के समय में सबक सिखाना जरूरी
- इससे पहले भी भारत ने रात को किया था प्रयोग

350 किमी. की दूरी तक कर सकती है लक्ष्य पर मार

अत्याधुनिक पृथ्वी-2 मिसाइल 500 से एक हजार किलोग्राम तक का आयुध ले जाने में सक्षम है और यह दोहरे इंजन वाली तरल प्रणोदक चालित है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि यह अत्याधुनिक मिसाइल 350 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती है। इसमें लक्ष्य को भेदने के लिए आधुनिक जड़त्वीय दिशा-निर्देशन प्रणाली लगी है और यह अपने प्रक्षेप पथ पर बड़ी कुशलता से आगे बढ़ती है।

सूत्रों ने बताया कि प्रशिक्षण अभ्यास के तहत मिसाइल को उत्पाद भंडार से रैंडम तरीके से उठाया गया और इसकी समूची प्रक्षेपण गतिविधियों को सेना की रणनीतिक बल कमान ने अंजाम दिया तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के वैज्ञानिकों ने इसकी निगरानी की।

जनसत्ता

पृथ्वी-2 मिसाइल का सफल रात्रि परीक्षण

बालेश्वर (ओडिशा), 21 फरवरी (भाषा)।

भारत ने बुधवार को देश में निर्मित और परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम व 350 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली पृथ्वी-2 मिसाइल का ओड़िशा के एक परीक्षण केंद्र से सफल रात्रि परीक्षण किया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि सेना द्वारा प्रायोगिक परीक्षण के तौर पर सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को रात करीब साढ़े आठ बजे चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण केंद्र (आइटीआर) के प्रक्षेपण परिसर-3 से दागा गया। इस सटीक परीक्षण से पहले 18 जनवरी को अग्नि-5, छह फरवरी को अग्नि-1 और मंगलवार को अग्नि-2 का ओड़िशा अपतटीय क्षेत्र स्थित अब्दुल कलाम द्वीप से सफल परीक्षण किया गया था। सात फरवरी को चांदीपुर स्थित आइटीआर से पृथ्वी-2 का भी सफल प्रायोगिक परीक्षण किया गया था।

अत्याधुनिक पृथ्वी-2 मिसाइल 500 से एक हजार किलोग्राम तक का आयुध ले जाने में सक्षम है और यह दोहरे इंजन वाली तरल प्रणोदक चालित है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि यह अत्याधुनिक मिसाइल 350 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती है।

the pioneer

Thu, 22 Feb, 2018

Night trial of Prithvi-II missile successful

India on Wednesday successfully conducted a night trial of its indigenously developed nuclear capable Prithvi-II missile with a strike range of 350 km, from a test range in Odisha.

The surface-to-surface missile was test-fired from a mobile launcher from launch complex-3 of the Integrated Test Range at Chandipur near here around 8.30 pm, as part of a user trial by the Army, defence sources said.

The perfect test launch came after successful trial of the Agni-5 missile on January 18, Agni-1 on February 6 and Agni II on Tuesday from the Abdul Kalam Island off the Odisha coast.

Prithvi II missile was also successfully test-fired earlier on February 7 from the ITR at Chandipur. The state-of-the-art Prithvi-II missile is capable of carrying 500 to 1,000 kg of warheads and is thrusted by liquid propulsion twin engines.

The sophisticated missile, which has a strike range of 350 km, uses advanced inertial guidance system with manoeuvring trajectory to hit its target, they said.

The missile was randomly chosen from the production stock and the entire launch activities were carried out by the specially formed Strategic Force Command (SFC) of the Army, and monitored by the scientists of the Defence Research and Development Organisation (DRDO) as part of training exercise, the sources said.

“The missile trajectory was tracked by radars, electro-optical tracking systems and telemetry stations by the DRDO along the coast of Odisha," they said.